घिनौने काम करने वाले जानवर

जिंजर क्लार्क

चित्र: पीट म्यूलर

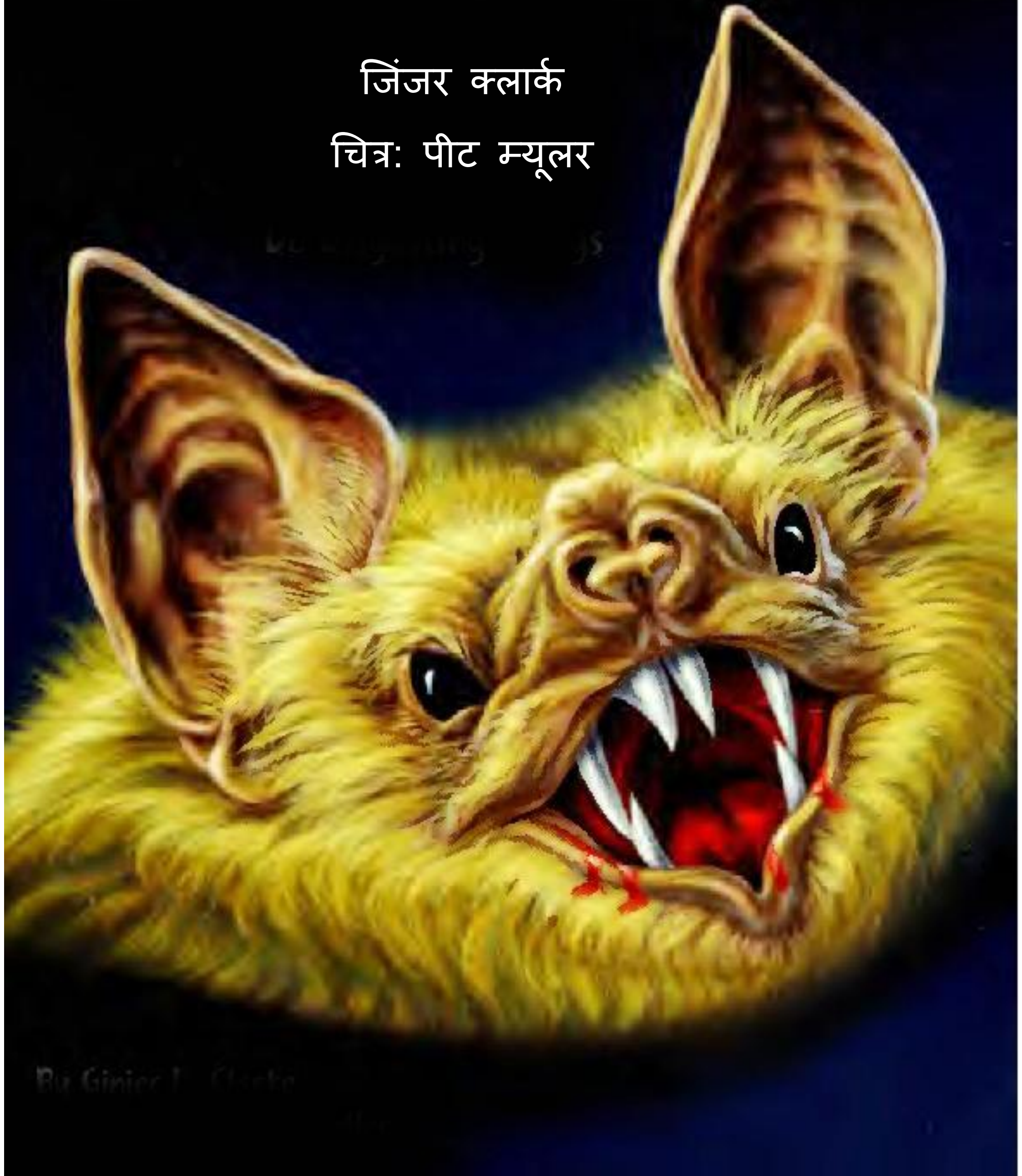

घिनौने काम करने वाले जानवर

जिंजर क्लार्क

चित्र: पीट म्यूलर

क्या आप यकीन करेंगे?
कि यह मछली अपना भोजन
कीचड़ से पकड़ती है.
और यह स्तनपायी
अपना मल खुद खाता है.
यह एकदम सच है!

इस किताब के कुछ जीव
अपने शिकारियों पर ज़हर छिड़कते हैं.
कुछ खून पीते हैं.
कुछ दूसरे जानवरों की उल्टी खाते हैं.
ये सभी जीव घिनौने काम करते हैं.
क्या आप इनके घिनौने काम
जानने के लिए तैयार हैं?

अध्याय 1

पानी के नीचे के जीव

एक विशाल रक्त-चूसने वाला जीव
अमेज़न नदी में छिपा है.
क्या वो एक समुद्री राक्षस है?
नहीं! वो एक विशाल जोंक (लीच) है.
यह विशाल जोंक
18-इंच तक लंबी हो सकती है.
वो लगभग एक वयस्क इंसान की
बांह जितनी लंबी होती है

ज़्यादातर जोंक अपने शिकार से चिपकी रहती हैं
और उनका खून पीती रहती हैं.
विभिन्न प्रकार की जोंकें
पक्षियों, मछलियों, स्तनधारियों और
यहाँ तक कि इंसानों का भी खून चूसती हैं.
जोंक द्वारा किसी जानवर को काटने के बाद,
घाव से घंटों तक खून बहता रहता है.
लेकिन जोंक का काटना जानलेवा नहीं होता.
एक प्रकार की जोंक (लीच)
का इस्तेमाल डॉक्टर भी करते हैं
ताकि मरीज़ों को ऑपरेशन के बाद
ठीक होने में मदद मिल सके.

समुद्री स्लग कई
अलग-अलग आकार और रंगों में आते हैं.
एक प्रकार के समुद्री स्लग के अंदरूनी हिस्से
शरीर के बाहर की तरफ होते हैं.
इस समुद्री स्लग की पीठ पर लंबी,
पतली नलियाँ होती हैं
जिन्हें "सेराटा" कहा जाता है.
सेराटा लगभग पारदर्शी होती हैं,
इसलिए अगर आप ध्यान से देखें,
तो आप उनके आर-पार
समुद्री स्लग की आंतें देख सकते हैं.

इनमें से कुछ आंतें
समुद्री स्लग के पाचन तंत्र का हिस्सा होती हैं.
आमतौर पर पाचन तंत्र
जानवरों के शरीर के अंदर होता है.
(जैसे आपका पेट और आंतें
आपके अंदर होती हैं.)
लेकिन इस जीव में ऐसा नहीं है,
बाप रे!
समुद्री स्लग अपने सेराटा का इस्तेमाल
शिकारियों को डंक मारने के लिए करता है.

लाल पेट वाली पिरान्हा बहुत
डरावनी मछलियाँ होती हैं.
जब उन्हें खून की गंध आती है
या उन्हें मछलियों का कोई समूह दिखाई देता है,
तो वे बड़ी संख्या में तेज़ी से उनपर हमला करती हैं.
उनके दांत चाकू जितने तेज़ होते हैं.
पिरान्हा हड्डी भी काट सकती हैं.
पिरान्हा कुछ भी खा सकती हैं,
जिसमें दूसरी मछलियाँ, चूहे,
पक्षी, और कभी-कभी इंसान भी शामिल हैं!

स्नैप!
इन पिरान्हाओं ने एक कैट फिश मछली पकड़ी.
वे मछली के चारों ओर झुंड बनाती हैं.
जैसे ही पिरान्हा मछली के टुकड़े-टुकड़े करती हैं,
वैसे ही पानी, खून से भर जाता है.
वे अपने भोजन को
केवल 30 सेकंड में खत्म कर देती हैं.
कभी-कभी वे बिना चबाए ही
बड़े-बड़े टुकड़े निगल जाती हैं.

हैगफिश को "स्लाइम ईल" भी कहा जाता है.
हैगफिश लगभग अंधी होती हैं.
वो ज़्यादातर मरी हुई मछलियाँ ही खाती हैं.
जब कोई शिकारी पास आता है,
तब हैगफिश स्लाइम छोड़ती है.
यह स्लाइम दुश्मन, मछली को ढक लेता है.
फिर मछली साँस न ले पाने के कारण मर जाती है.

कभी-कभी हैगफिश
इतना स्लाइम बना लेती है कि
वह खुद अपना शरीर भी ढक लेती है.
हैगफिश स्लाइम को पोंछने के लिए
खुद को एक गाँठ में बाँध लेती है.

अध्याय 2

डरावने रेंगने वाले जीव

क्या आपने कभी कुत्ते पर चीचड़ (टिक) देखा है?
या हो सकता है कि जंगल में टहलने के बाद
आपको अपनी त्वचा पर कोई चीचड़ (टिक) मिला हो.
टिक स्तनधारियों, पक्षियों
और सरीसृपों का खून पीते हैं.
टिक खाना शुरू करने से पहले बहुत छोटा होता है.
यह किसी जानवर या व्यक्ति पर रेंगता है
और अपने मुखांगों से काटता है.
टिक द्वारा खून चूसने के बाद,
उसका पेट बहुत बड़ा हो जाता है.

कुछ प्रकार के चीचड़ (टिक) अपने मुखांगों में
मौजूद बैक्टीरिया के माध्यम से रोग फैलाते हैं.
जब वो किसी व्यक्ति को काटते हैं,
तो बैक्टीरिया उस व्यक्ति को
रोग से संक्रमित कर देते हैं.
लेकिन अगर व्यक्ति जल्द ही डॉक्टर
के पास चला जाए तो फिर रोग का
इलाज किया जा सकता है.

गोबर भृंगों (डंग-बीटल)
का आहार बहुत खराब होता है.
वे ज़्यादातर
दूसरे जानवरों का गोबर खाते हैं.
गोबर "मल" का दूसरा नाम है.
डंग-बीटल मल खाते हैं!

डंग-बीटल अपने मुखांगों का उपयोग
मल के टुकड़ों को काटने के लिए करते हैं.
फिर वे अपने लंबे पिछले पैरों से मल को
छोटी-छोटी गेंदों में रोल करते हैं.
डंग-बीटल पीछे की ओर
चलते हुए मल की एक गेंद को
ठेले की तरह ढोता है.
डंग-बीटल मल की गेंदों को बचाते हैं
और भूख लगने पर उन्हें खा लेते हैं.

आप शायद जानते होंगे कि कई मकड़ियाँ
चिपचिपे जालों में अपना शिकार पकड़ती हैं.
हो सकता है आपने कभी
मकड़ी के जाल को महसूस किया हो.
एक और कीड़ा, मखमली कीड़ा,
कुछ और भी चिपचिपा करता है
वो अपने शिकार पर एक चिपचिपा
तरल पदार्थ छिड़कता है.
बाप रे!
यह मखमली कीड़ा अपने सिर पर
दो छिद्रों से तरल पदार्थ छोड़ता है.

चिपचिपा तरल कुछ ही सेकंड में
सूख जाता है.
उससे कीट फँस जाता है.
मखमली कीड़ा कीट के शरीर में
एक छेद करता है.
फिर कीड़ा अपनी लार छोड़ता है.
उससे कीट के अंदरूनी हिस्से
सूप जैसे हो जाते हैं,
फिर कीड़ा उन्हें चूसकर
बाहर निकालता है.
बेहद स्वादिष्ट!

अक्सर जानवर दूसरी प्रजातियों के
जानवरों को मारते हैं.
लेकिन कुछ जानवर अपनी ही
प्रजाति के जानवरों को खाते हैं.
इन जानवरों को नरभक्षी कहा जाता है.
प्रेइंग मेंटिस एक ऐसा ही नरभक्षी है.

प्रेइंग मेंटिस जब
संभोग ख़त्म करते हैं,
उसके बाद मादा मेंटिस पलट जाती है.
वह नर से बहुत बड़ी होती है.
वह अपने आगे के पैर उठाती है
और नर को पकड़ लेती है.
वो उसे चबा जाती है!
वह उसका सिर काट देती है.
वो कितनी असभ्य है!

अध्याय 3

सरीसृप और उभयचर

बिना पैरों वाली छिपकली
को "काँच का साँप" भी कहते हैं.
क्योंकि हमला होने पर वो टुकड़ों में टूट जाती है.
ठीक वैसे ही जैसे काँच गिरने पर टूट जाता है.

यह बिना पैरों वाली छिपकली
एक पक्षी से बचना चाहती है.
पक्षी, छिपकली को पकड़ने की कोशिश करता है.
छिपकली तुरंत अपनी पूँछ अलग कर देती है,
फिर छिपकली आज़ाद हो जाती है.
लेकिन उसकी पूंछ का हिस्सा
लगातार हिलता रहता है!
बचाव का यह अनूठा तरीका
पक्षी को डराकर भगा देता है.

एक और छिपकली खुद को
बहुत घिनौना व्यवहार करके बचाती है,
जब एक सींग वाली छिपकली
खतरे में होती है,
तो वह अपनी आँखों से
खून निकालती है.

इससे सींग वाली छिपकली को
कोई नुकसान नहीं होता,
लेकिन यह उसके दुश्मन को
सचमुच डरा देता है.
इससे छिपकली को सुरक्षित भागने का
मौका मिल जाता है.

कुछ जानवर अपने बच्चों को
अपनी पीठ पर ढोते हैं.
लेकिन मेंढक वास्तव में
उन बच्चों को जन्म देता है
जो उसकी पीठ के अंदर
फँसे हुए होते हैं!
सूरीनाम मेंढक नदी के किनारों पर रहता है.
नर और मादा मेंढक के संभोग के बाद,
नर अंडे को मादा की पीठ पर दबा देता है.
मादा मेंढक की पीठ नरम होती है,
उससे अंडे उसकी त्वचा में धँस जाते हैं.

अंडे छोटे मेंढकों में विकसित होते हैं.
कुछ महीनों बाद, मेंढक अपनी माँ की
पीठ से बाहर तैरने लगते हैं.
वे अपनी माँ की त्वचा को अपने
छोटे-छोटे अगले पैरों से तोड़ देते हैं.
इससे माँ को कोई चोट नहीं पहुँचती,
लेकिन यह देखने में ज़रूर दर्दनाक लगता है!

कई ज़हरीले जानवर अपने शिकार को काटते हैं.
लेकिन केन मेंढक कुछ अलग करता है.
यह अपने दुश्मनों पर तीन फ़ीट दूर से
ज़हर छिड़क सकता है!
ज़हर मेंढक की गर्दन के किनारों पर
बने छेदों से बाहर निकलता है.
ज़हर शिकारी को मरने से पहले
काँपने, लार टपकाने और
उल्टी करने पर मजबूर कर देता है.
यहाँ तक कि इंसान भी केन मेंढक को छूने से
चोट खा सकते हैं और बीमार पड़ सकते हैं.

केन मेंढक दुनिया के सबसे
बड़े मेंढकों में से एक हैं.
वे लगभग एक खरगोश जितने बड़े होते हैं.
वो ऐसे किसी भी जीव को खा सकते हैं
जिसे वो निगल सकें.
केन मेंढक
एक साँप को भी चबा जाता है.
वो तो बहुत बड़ा कौर है!

अध्याय 4

स्तनधारी

क्या आप जानते हैं कि कौन सा स्तनधारी
लगभग बाल रहित, झुर्रीदार और
लगभग अंधा होता है?
एक नग्न छछूंदर.
यह जानवर गिनी-पिग का रिश्तेदार है.
इसे "रेत का पिल्ला" भी कहा जाता है.
वो देखने में वाकई अजीब है!
और वो घिनौना भी है.

नग्न छछूंदर भूमिगत
बिलों में समूहों में रहते हैं.
वे अपने लंबे दांतों का इस्तेमाल
खाने के लिए जड़ें खोदने के लिए करते हैं.
लेकिन जब वे बहुत भूखे होते हैं,
तो छछूंदर अपना ही मल खाते हैं!
वे अपने ही पेशाब के गड्ढों में लोटते हैं.
छछूंदर अपने पेशाब और मल की गंध से
एक-दूसरे को अलग पहचान सकते हैं.
वे कितने छोटे बदबूदार जीव हैं!

वैम्पायर चमगादड़ डरावने दिखते हैं.
उनके बड़े कान, चपटी नाक,
और छोटे, नुकीले दांत होते हैं.
ज़्यादातर चमगादड़ फल या कीड़े खाते हैं,
लेकिन वैम्पायर चमगादड़ सिर्फ़ खून पीते हैं.
वे जानवरों का खून पीते हैं
जैसे पक्षी, सूअर, गाय और घोड़े.
कई लोग, वैम्पायर चमगादड़ों से डरते हैं,
लेकिन वे इंसानों को शायद ही कभी काटते हैं.

यह वैम्पायर चमगादड़ अपने
बेहद नुकीले दांतों से
सोती हुई गाय के पैर में चीरा लगाता है.
फिर चमगादड़ गाय का खून चाटता है.
चुपचाप!

क्या आपने कभी किसी को यह कहते सुना है,
"वह 'पॉसम' खेल रहा है"?
लोग ऐसा इसलिए कहते हैं क्योंकि ऑपॉसम
मृत होने का नाटक करने में माहिर होते हैं.
यह वर्जीनिया ऑपॉसम एक
बड़े सींग वाले उल्लू को देखता है जो उसे खाना चाहता है.
फिर ऑपॉसम गिर जाता है और एकदम स्थिर रहता है.
वह अपनी जीभ मुँह से बाहर निकालता है,
उससे ऐसा लगता है जैसे कि वो मर गया हो.
फिर वह हरा मल त्यागता है
जिसकी गंध सड़ी हुए मांस जैसी होती है
उफ़!

उल्लू इस घिनौनी गंध से
दूर भागने के लिए उड़ जाता है.
ओपोसम बिल्कुल ठीकठाक है.
लेकिन उसकी चाल ने उल्लू को
ज़रूर बेवकूफ़ बना दिया!

आर्मडिलो कई प्रकार के होते हैं.
उनमें से ज़्यादातर बाल रहित होते हैं.
लेकिन रोएँदार आर्मडिलो
के पूरे शरीर पर लंबे,
घने बाल होते हैं.
रोएँदार आर्मडिलो, मृत और सड़ते हुए
जानवरों के नीचे खुदाई करता है
ताकि वो उनके नीचे रहने
वाले कीड़ों को खा सके.

रोएँदार आर्मडिलो
मृत जानवर का मांस भी खाता है.
लेकिन उसके दाँत छोटे होते हैं और
वह अच्छी तरह चबा नहीं सकता.
इसलिए आर्मडिलो मांस को
तब तक चबाता रहता है
जब तक कि वह निगलने
लायक नरम न हो जाए.

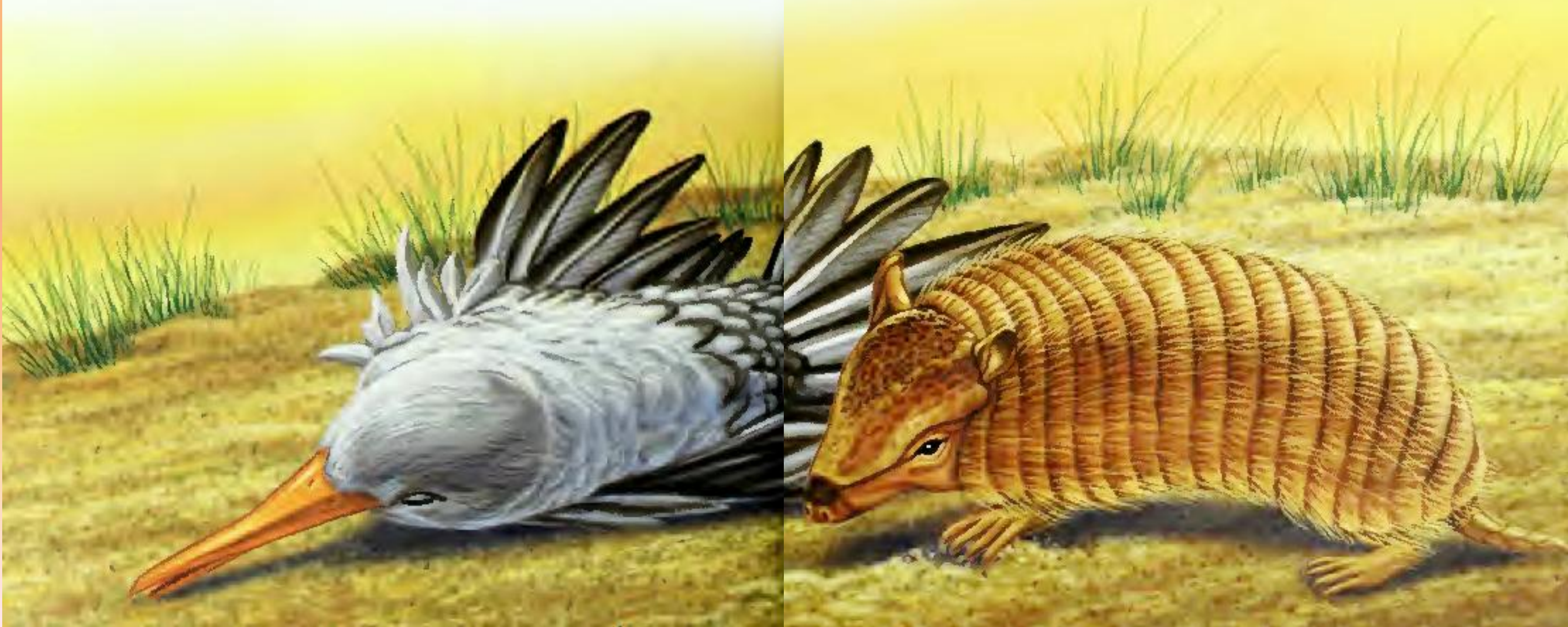

अध्याय 5

पक्षी

क्या वह सीगल (समुद्री-चील) है?
नहीं, वह फुलमार है.
फुलमार का अर्थ होता है "गंदी सीगल".
यह पक्षी घिनौना पीला तेल उगलता है
और उसे अपने हमलावरों पर फेंकता है.
फुलमार अपनी उल्टी, पाँच फ़ीट तक फेंक सकता है.
उल्टी, दुश्मन पक्षी के पंखों से चिपक जाती है
और उससे दुश्मन पक्षी पानी में डूब सकता है.

फुलमार के बच्चे पैदा होते ही
एक फुट दूर तक उल्टी कर सकते हैं.
बच्चे अपने माता-पिता
पर भी उल्टी करते हैं
जब तक कि वे अपने माता-पिता
और दूसरे पक्षियों के बीच
अंतर करना नहीं सीख जाते.

कई जानवर
अन्य जानवरों का भोजन चुराते हैं.
लेकिन शानदार फ्रिगेट पक्षी
कुछ बहुत ही घिनौना काम करता है.
फ्रिगेट पक्षी मछली खोजने के लिए
समुद्र में गोता नहीं लगाता.
वह ऐसा भोजन खाता है जिसे दूसरे पक्षी
पहले ही खा चुके होते हैं.
वह दूसरे पक्षियों की उल्टी चुराता है!

यह फ्रिगेट पक्षी हवा में एक
नीले पैरों वाले बूबी का पीछा करता है.
फ्रिगेट पक्षी बूबी
के पूंछ के पंखों को खींचता है.
उससके बूबी का संतुलन बिगड़ जाता है
और वह अपना भोजन उगल देता है
जो उसने अभी-अभी खाया था.
फिर फ्रिगेट पक्षी बूबी की उल्टी को
पकड़ लेता है और पानी में
गिरने से पहले ही उसे खा जाता है.
छी-छी!

हार्पी चील बड़ी और मज़बूत होती है.
यह बड़े जानवरों को पकड़कर खा सकती है
जैसे स्लोथ और बंदर.
ज़्यादातर पक्षी सिर्फ़ अपने से छोटे
शिकार ही खा सकते हैं.
लेकिन हार्पी चील अपने जितने बड़े
जानवरों को पकड़ लेती है.
हार्पी चील एक कुशल शिकारी होती हैं.
उनके पंखों का फैलाव सात फ़ीट तक होता है.
वो चुपचाप बैठती है और फिर पेड़ों से
छलांग लगाकर अपना शिकार पकड़ लेती है.

फुस्स!
यह हार्पी चील वर्षावन में उड़कर जाती है.
वो एक हाउलर बंदर को पकड़ लेती है
और उसे उठा ले जाती है.
उसके पंजे ग्रिज़ली भालू के पंजों के आकार के होते हैं
वो अपने शिकार की हड्डियों को कुचल सकती हैं.
उसकी हुकदार चोंच, उस्तरे जितनी तेज़ होती है
और मांस के बड़े-बड़े टुकड़े फाड़ सकती है.
हार्पी चील पक्षी खाने की एक मशीन है!

चील उल्लू सबसे बड़े उल्लुओं में से एक है.
उसके पंखों का फैलाव
पाँच फीट से भी ज़्यादा हो सकता है.
यह एक तेज़ और चतुर शिकारी है.
उल्लू कई तरह के जानवरों को पकड़कर खाता है.
उसके आहार में साँप, कीड़े,
छोटे स्तनधारी और यहाँ तक कि
दूसरे बड़े पक्षी भी शामिल होते हैं!

यह उल्लू अपने पैरों में एक वोल
(एक प्रकार के चूहे) को पकड़े हुए है.
यह अपनी तेज़ चोंच से वोल
को काटकर उसके टुकड़े-टुकड़े कर देता है.
वोल, चूहे जैसा एक छोटा स्तनपायी होता है.
उल्लू तेज़ी से खाता है और वोल के
हर हिस्से को निगल जाता है.
उल्लू खाना खत्म करने के बाद,
एक सख्त गोली उगलता है.
यह उल्टी की गेंद फर, हड्डियों और
ऐसी चीज़ों की बनी होती है
जिसे उल्लू पचा नहीं पाया था.
छोटे जानवरों के कंकाल भी
उल्लू के उल्टी के गोले में पाए जाते हैं!

अगली बार जब आपको रात के
खाने में कुछ ऐसा खाना पड़े
जो आपको पसंद न हो,
तो बस खुश रहें कि आपको
फ्रिगेट पक्षी की तरह उल्टी नहीं खानी पड़ेगी,
डंग-बीटल की तरह मल नहीं खाना पड़ेगा,
वैम्पायर चमगादड़ की तरह खून नहीं पीना पड़ेगा,
या इस किताब में बताए गए
किसी भी जानवर की तरह
अगर आपको व्यवहार करना पड़े.
फिर वो वाकई घिनौना होगा!

समाप्त